WORKSHOP REPORT

पृष्ठभूमि

भारत के संविधान के 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से स्थानीय शासन को संवैधानिक मान्यता दी गई है। जिसमें उसे विकेन्द्रीकृत नियोजन अपनाने का विस्तृत आधार प्रदान किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 243 ZD में दिये गये प्रावधानों के अनुरूप जिला योजना समितियों द्वारा जिले के लिये एक दीर्घकालीन दृष्टिकोण तथा प्रास्पेक्टिव प्लान (District Vision and District Perspective Plan) तैयार करना है।

योजना आयोग भारत सरकार के निर्देशानुसार 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रत्येक जिले हेतु जिला योजना समिति के माध्यम से पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों की सक्रिय भागीदारी से जिला योजना तैयार किया जाना है। जिसके आधार पर राज्य की वार्षिक योजना का निर्माण करना है। 1 जनवरी, 2015 को नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा भी विकेन्द्रीकृत नियोजन पर बल देते हुए अन्तिम पक्ति में खड़े लोगों के उत्थान के लिये ग्राम नियोजन को स्थान दिया है।

जिले में निचले स्तर से नियोजन कार्य की व्यवस्था निर्मित करने के लिए राज्य शासन द्वारा म.प्र. जिला योजना समिति अधिनियम क्रमांक–19 सन् 1995 की अधिसूचना द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में अधिनियम को प्रवृत्त कर जिला योजना समितियों का गठन किया गया है। जिला योजना समिति अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन के लिये उप समितियां गठित कर सकेंगी। विशिष्ट क्षेत्रों में निर्मित ये उप समितियां अपने क्षेत्रान्तर्गत कराये जा रहे कार्यों/प्रयासों की निरन्तर समीक्षा एवं मानीटिरिंग करेंगी एवं अपने विषयों से संबंधित सुझाव दे सकेंगी। नवगठित छत्तीसगढ़ प्रदेश में पूर्व से ही त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय का गठन किया गया हैं।

पृष्ठभूमि

छत्तीसगढ़ राज्य में सतत् विकास ध्येय के सुचारू क्रियान्वयन हेतु 'सतत् विकास ध्येय दस्तावेज' की तैयारी, प्रगति की समीक्षा एवं मूल्यांकन का कार्य दिनांक 05.11.2018 को राज्य योजना आयोग छत्तीसगढ़ को सौंपा गया है। राज्य योजना आयोग प्राप्त दायित्वों को संपादित करते हुए दिनांक 09.03.2019 को माननीय मुख्यमंत्री छ.ग. शासन के करकमलों से ''छत्तीसगढ़ एसडीजी विजन 2030'' का विमोचन किया गया। इस प्रकार राज्य शासन भी दीर्घ अवधि के योजनाओं के लिये सतत् विकास दृष्टि 2030 को विकास के लिये रोडमैप के रूप में स्वीकार किया है।

सतत् विकास लक्ष्य 17 महत्वाकांक्षी वैश्विक ध्येयों और 169 उद्देश्यों का अंतर्देशीय संग्रह है और इसकी संरचना सतत् विकास के तीन आयामों को संतुलित एवं एकीकृत करने का प्रयास करती है, नामतः पृथ्वी एवं लोगों के बेहतर भविष्य, शांति समृद्धि और भागीदारी के सृजन के लिए सामाजिक विकास, आर्थिक विकास एवं पर्यावरणीय स्थिरता। ''हमारी दुनिया को बदलने के लिए ''सतत् विकास का एजेण्डा 2030'' पर 25 से 27 सितंबर 2015 तक न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के शिखर सम्मेलन में 25 सितंबर 2015 को 193 देशों ने हस्ताक्षर किये। भारत ने भी शिखर सम्मेलन में भाग लिया व सतत् विकास लक्ष्यों के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को व्यक्त किया तथा सतत् विकास लक्ष्यों और देश के राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के बीच अभिसरण पर जोर दिया गया है।

वर्तमान में गठित शासन ने दीर्घ अवधि के योजनाओं के रूप में सतत् विकास लक्ष्य को केन्द्र में रखते हुए अपने घोषणा पत्र के 36 बिन्दुओं तथा सरकार की महती योजना ''नरवा, गरूवा, घुरूवा और बाड़ी'' के माध्यम से अंतिम छोर के व्यक्ति की जीवन में परिवर्तन लाने के लिये प्रतिबद्ध है।

बदली हुई परिस्थितियों को देखते हुए विकेन्द्रीकृत नियोजन जो स्थानीय निकाय के साथ–साथ जन सहभागिता को सुनिश्चित करने का एक सशक्त माध्यम है। इन सब बिन्दुबों को ध्यान में रखते हुये विकेन्द्रीकृत जिला योजना के मार्गदर्शिका में परिवर्तन की आवश्यकता महसूस हो रही थी। नव प्रकाशित ''सतत् विकास लक्ष्य आधारित विकेन्द्रीकृत जिला योजना हेतु मार्गदर्शिका'' पर दिनांक 21 एवं 22 अगस्त, 2019 को ठॉ. प्यारेलाल पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा, रायपुर में कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजित किया गया।

संक्षिप्त विवरण

सतत् विकास लक्ष्यों पर आधारित विकेन्द्रीकृत जिला योजना निर्माण विषय पर ठॉ. प्यारेलाल राज्य पंचायत एव ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा, रायपुर में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आये छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष माननीय अमरजीत भगत ने प्रतिभागियों से चर्चा करते हुए जिला योजना निर्माण में कुछ विशेष पहलुओं को प्रमुखता से शामिल करने के दिशा निर्देश दिये। जिसमें उन्होंने कहा कि जिला योजना लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो यथार्थ के करीब हो, तथा संसाधनों का दुरूपयोग ना हो। माननीय मंत्री ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण, भूजल एवं भूतल के जल स्त्रोतों के संरक्षण और नवीनीकरण उर्जा के अधिकाधिक उपयोग, नालों व जल स्त्रोतों के किनारे वृक्षारोपण, आगामी नये भवनों में वाटर हारवेस्टिंग प्रणाली की अनिवार्यता, सड़कों के किनारे जल निकासी की उचित व्यवस्था, प्रत्येक ग्राम पंचायतों में वाचनालय के समुचित संचालन जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की तथा जिला स्तर पर बनने वाली योजनाओं में राज्य के युवाओं के लिये रोजगार, स्वरोजगार व आजीविका की अन्य संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए रोजगार मूलक योजना निर्माण करने के निर्देश दिये।

अंत में राज्य योजना आयोग द्वारा प्रकाशित सतत् विकास लक्ष्य आधारित विकेन्द्रीकृत जिला योजना निर्माण की मार्गदर्शिका का विमोचन किया गया। और जिलों से आये हुए अधिकारियों को कार्यशाला सह प्रशिक्षण का लाभ उठाते हुए इसे जिलों में प्रसारित करने में सहयोग करने की अपील करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम विवरण

ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा रायपुर में दिनांक 21–22 अगस्त 2019 को सतत विकास लक्ष्यों पर आधारित विकेन्द्रीकृत जिला योजना निर्माण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के सभी जिलों से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग एवं सांख्यिकी विभाग के 100 से अधिक अधिकारी/कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता दी।

सतत् विकास लक्ष्य आधारित विकेन्द्रीकृत जिला योजना निर्माण हेतु मार्गदर्शिकाका विमोचन

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में दिनांक 21–08–2019 प्रातः 10 बजे राज्य के खाद्य संस्कृति योजना एवं आर्थिक साख्यिकी मंत्री माननीय श्री अमरजीत भगत ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी तथा प्रतिभागियों को आवश्यक व बहुमूल्य दिशा–निर्देश दिये । माननीय मंत्री जी ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पेयजल, पर्यावरण, उर्जा, रोजगार एवं स्वरोजगार, अधोसंरचना आदि समस्त महत्वपूर्ण विषयों को सम्मिलित करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम को संम्बोधित करते हुए माननीय मंत्री श्री भगत जी ने कहा कि जिला योजना का निर्माण करते समय हमें संसाधनों की उपलब्धता, लोगों की आवश्यकता एवं कार्यो की प्रासंगिकता का विशेष ध्यान रखना होगा ताकि संसाधनों की बर्बादी न हो और योजना का अधिकाधिक लाभ लोगों तक पहुच सके। जिला योजना यथार्थ के करीब हो, आवश्यकतानुरूप हो, प्रासंगिक हो, क्रियान्वयन किये जाने योग्य हो तथा राशि का दुरूपयोग न हो।

उन्होने कुछ बिन्दुओं पर विशेष बल देते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में पुस्तकालय एवं वाचनालय की उत्तम व्यवस्था, सड़को के किनारे जल निकासी की व्यवस्था, नये भवनों के निर्माण के समय वाटर हारवेस्टिंग प्रणाली की अनिवार्यता, नालों के किनारे वृक्षारोपण एवं जगह–जगह पर चेक डेम, भूमिगत जल एवं भू–पर्पटी पर उपलब्ध विभिन्न जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं प्रबन्धन, सौर उर्जा के अधिकाधिक

कार्यक्रम विवरण

सदुपयोग एवं राज्य के 40 लाख युवाओं हेतु रोजगार के अवसरों को उच्च प्राथमिकता देते हुए जिला योजना का निर्माण किया जाना चाहिए।

डॉ. के. सुब्रमण्यम, सदस्य, राज्य योजना आयोग के द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जो नियोजन का कार्य किया जाना है उसके लिए समग्र दृष्टिकोण को अपनाने की जरूरत है। संसाधनों का किफायती उपयोग से लेकर वैज्ञानिक आधार पर भी गहनता से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि ''कवर्धा जिला जो छायावृष्टि का क्षेत्र है जहॉ पर वर्षा कम होती है तो वहॉ फसलों का चुनाव करते समय हमारे नियोजन में यह बात शामिल होनी चाहिए कि हमको कोदो, कुट्की, रागी की फसल लेनी होगी या गन्ना जैसी फसल जिसमें धान से भी ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है?''

औद्योगिक विकासीय मॉडल में यह बात शामिल होना चाहिए कि कितने बड़ी जनसंख्या को कितने समय तक फायदा होने वाला है? उदाहरण के लिए केलो नदी (रायगढ़) क्षेत्र में आने वालों 36 गांव के लोग एक समय में तीन फसलें लिया करते थे तथा वहॉ के किसान सम्पन्न थे किन्तु औद्योगिक जल उपयोगिता के बाद नदी में प्रदूषण बढ़ने तथा पानी का प्रवाह कम होने से इन गांवों के लोगों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ा जिससे पूरा क्षेत्र एक फसली तथा लोग बिमारियों से ग्रसित हो गये। यदि हम अपने नियोजन में इन बातों को ध्यान नही देगें तो हम सतत् विकास लक्ष्यों को कैसे प्राप्त कर सकते हैं – तथा भावी पीढ़ी के लिए क्या छोड़ कर जायेंगे। उपरोक्त दोनों उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने टिकाऊ विकास के नियोजन पर बल दिये जाने के संबंध में अपनी बात रखी।

संस्थान मे आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला को विभिन्न सत्रों में सतत विकास लक्ष्यों के नैतिक पहलुओं, विकेन्द्रीकृत जिला नियोजन प्रणाली, सतत विकास लक्ष्यों के संकेतक एवं आंकड़ों के विश्लेषण, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन, संसाधनों के आंकलन, जिला योजना दल की भूमिका एवं चुनौतियां आदि विषयों में विभाजित किया गया था।

कार्यशाला का पहला सत्र् सतत् विकास के लक्ष्यों के नैतिक पहलूओं पर केन्द्रित था, जिसमें अतिथि वक्ता श्री विनयशील द्वारा नैतिकता के अर्थ व अवधारणा के साथ–साथ उसके दायरों तथा महत्व के संबंध में

कार्यक्रम विवरण

विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। चर्चा के दौरान श्री विनयशील द्वारा कार्यस्थल व कार्यशैली में नैतिकता की आवश्यकता एवं उसके सकारात्मक प्रभावों पर विशेष बल दिया गया।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र् में यूनिसेफ के सलाहकार श्री सईद परवेज द्वारा वर्तमान नियोजन प्रणाली एवं विकेन्दीकृत जिला योजना को स्पष्ट करते हुए जिला योजना समिति के संबध में भी बताया। इस सत्र् में आडियों विडियों उपकरणों का उपयोग करते हुए विकेन्द्रीकृत नियोजन पर एक गहरी समझ विकसित करने का प्रयास किया गया।

अगले सत्र् में अतिथि वक्ता समर्थन के डॉ. मनीश श्रीवास्तव द्वारा सतत् विकास के सत्रह लक्ष्यों को एक–एक करके विस्तार पूर्वक बताया गया। इन विकास लक्ष्यों के मूल उद्देश्यों के साथ–साथ इन्हे समय–सीमा में प्राप्त करने हेतु केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा उठाए जाने वाले विभिन्न कदमों की भी चर्चा की गई।

प्रथम दिवस के अंतिम सत्र् में यूनिसेफ से आए श्री सईद परवेज एवं श्री नीरज देवांगन द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों के संकेतक, संबंधित आंकड़ो के विश्लेषण तथा सतत् विकास के लक्ष्यों पर आधारित जिला योजना निर्माण के विभिन्न पहलुओं और प्रक्रिया के संबंध में बताया गया। इस सत्र् में प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित कर विचार विमर्श करते हुए जिला नियोजन की अवधारणा को स्पष्ट किया गया।

द्वितीय दिवस का प्रथम सत्र में समर्थ चेरिटेबल ट्रस्ट के डॉ. मनजीत कौर बल के द्वारा लिया गया, इस सत्र को दो भागों में क्रमशः अनुश्रवण एवं मुल्यांकन तथा सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में राज्य सरकार की महति योजना नरवा, गरूवा, घुरूवा, बारी की बहुआयामी भूमिका पर चर्चा की गई। डॉ. बल ने सभी प्रतिभागियों की अधिकाधिक सहभागिता के साथ दोनों ही विषयों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया।

द्वितीय दिवस के अगले सत्र् में अतिथि वक्ता समर्थन के डॉ. मनीश श्रीवास्तव ने संसाधनों के आंकलन व मूल्यांकन पर चर्चा करते हुए भौतिक प्राकृतिक वित्तीय आदि सभी संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग पर बल दिया। रिसोर्स एनवेलप की आवधारण को स्पष्ट करते हुए उन्होने बताया कि किस प्रकार से हम सभी उपलब्ध संसाधनों का चिन्हांकन व मूल्यांकन करते हुए अधिकाधिक व सर्वोचित लाभ ले सकते है।

कार्यक्रम विवरण

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं माननीय मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा जी ने राज्य की सर्वप्रमुख योजना नरवा, गरूवा, घुरूवा, बारी के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए इसकी अवधारणा व विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला एवं सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में इस योजना के महत्वपूर्ण भूमिका के सम्बन्ध में बताया।

श्री शर्मा ने अपने वक्तब्य में नरवा, गरूवा, घुरूवा, बारी के बहुआयामी स्वरूप को बताते हुए कहा कि इससे जल, जंगल, जमीन, जन्तु, जन और जीविका सभी पर सकारात्मक सुधार लाए जा सकते है। उन्होने राज्य के जल संसाधन, पशुधन तथा राज्य में जैविक कृषि हेतु उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की भी चर्चा की। श्री शर्मा ने राज्य में बनाये जा रहे गौठानों के संम्बन्ध में विस्तार पूर्वक बताते हुए इसकी परिकल्पना, स्वरूप व विभिन्न तकनीकी पहलुओं को पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से स्पष्ट रूप से बताया तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं व प्रश्नों पर भी सार्थक चर्चा की। कार्यशाला के द्वितीय दिवस के उत्तरार्ध में श्री मुक्तेश्वर सिंह सहायक संचालक विकेन्द्रीकृत जिला नियोजन राज्य योजना आयोग छत्तीसगढ़ द्वारा जिला योजना निर्माण दल की भूमिका व उनके समक्ष आने वाली संभावित चुनौतियों की चर्चा करते हुए उनसे निजात पाने के विकल्पों पर विचार किया जिसमें प्रतिभागियों ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता दी।

द्वितीय दिवस के अन्त में समस्त प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया एवं सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस दो दिवसीय कार्यशाला के सत्र समन्वयक के रूप में संस्थान के संकाय सदस्य श्री आनन्द रघुवंशी ने अपनी सार्थक व सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम का सफल संचालन किया एवं विकेन्द्रीकृत जिला योजना के निर्माण हेतु समस्त प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

प्रतिभागियों की टिप्पणियॉ

नीतू अग्रवाल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, खरसिया	प्रशिक्षण के अंतर्गत नरवा, गरवा, घुरवा एवं बाड़ी योजना के संबंध में दी गई जानकारी ज्ञानवर्धक थी। प्रशिक्षण के दौरान जिला योजना निर्माण हेतु निर्धारित प्रारूप के भरने की जानकारी दी जाती तो अच्छा होता।
श्री सुरज सीदार, मुख्य नगर पालिक अधिकारी, कोंडागांव	जिला योजना निर्माण के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुये उन्होंने कहा योजनाओं के लिये उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप ही योजनाओं का निर्माण किया जाना चाहिये।

कार्यक्रम विवरण

श्री कुलेश्वर गायकवाड़ सहायक परियोजना अधिकारी	सतत् विकास लक्ष्यों में सदाचार संबंधी विषयों पर प्रशिक्षण में सम्मिलित किया गया व्याख्यान काफी उपयोगी था।
श्री अनिल कुमार होता पीटीसी रायगढ़	प्रशिक्षण में बहुत अधिक एवं उपयोगी जानकारियों को समाहित किया गया। सतत् विकास के 17 लक्ष्यों को बताने के लिये शायद प्रशिक्षण की अवधि कम रही। जिला योजना निर्माण के अंतर्गत योजना चयन की प्रक्रिया को कुछ विस्तार से बताया जा सकता था। प्रशिक्षण के दौरान सभी स्त्रोत व्यक्तियों के द्वारा दिये गये व्याख्यान स्तरीय एवं अच्छे थे।
श्री प्रकाश कुमार संकाय सदस्य, पीएचआरसी	जिला योजना निर्माण से संबंधित सैद्धांतिक जानकारी के साथ–साथ व्यावहारिक ;च्तंबजपबंसद्ध जानकारी दिये जाने से प्रशिक्षण की उपयोगिता बढ़ जाती है।
श्री वरिश दुबे मुख्य नगर पालिका अधिकारी, बस्तर	जिला योजना निर्माण से जुड़े सभी बिन्दुओं पर जानकारी काफी विस्तार से दी गई। समय की कमी के कारण कुछ कमी रह गई इस पर भविष्य में ध्यान दिया जा सकता है।
श्री मार्शल तिर्की उप संचालक, जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय, महासमुंद	जिला योजना का निर्माण करते समय विकेन्द्रीकृत योजना निर्माण से जुड़े सभी अधिकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त कर जिला योजनाओं का निर्माण करें अन्यथा जिला स्तर पर समेकित जिला योजना के जिला योजना समिति से अनुमोदन प्राप्त करते समय योजना समिति में सम्मिलित जनप्रतिनिधियों द्वारा जिला योजना में सम्मिलित प्रस्तावों से अनभिज्ञता व्यक्त की जाती है।
अशीष निषाद, संकाय सदस्य डीपीआरसी, जशपुर	ग्राम पंचायत स्तर पर बनने वाली ग्राम पंचायत विकास योजनाएँ (जीपीडीपी), जिनका समेकन विकासखण्ड एवं उसके पश्चात जिला स्तर पर होता है, सही नही बनती हैं। इस दिशा में भी ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।
किशन गुप्ता **संकाय सदस्य, कबीरधाम**	ग्राम पंचायत स्तर पर लोगों को यह जानकारी नहीं है कि ग्रामीण विकास विभाग के अतिरिक्त शासन के विभिन्न विभाग गांवों के विकास के लिये कार्य करते हैं। अतएव ग्राम पंचायत स्तर पर लोगों को इस संबंध में जागरूक किये जाने हेतु अभियान चलाया जाना चाहिये।
माधुरी भण्डारी **संकाय सदस्य, पीएसआरसी,** **सूरजपुर**	विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर हितग्राहियों के चुनाव की प्रक्रिया में पारदर्शीता होनी चाहिये।

कार्यक्रम विवरण

प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र में बोलते हुए श्री के. सुब्रमणियम माननीय सदस्य, राज्य योजना आयोग छत्तीसगढ़ ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्य के संदेश को प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाना चाहिये। राज्य की योजनाएँ इस प्रकार से बनाई जायें कि इस अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। आगे उन्होंने कहा राष्ट्रीय स्तर पर नीति आयोग के द्वारा सतत् विकास लक्ष्य सूचकांकों का निर्माण कर सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में राज्यों की उपलब्धि के आधार पर राज्यों को श्रेणी बद्ध किया गया है। राज्य में भी इसी प्रकार से जिलों एवं विकासखण्डों की उपलब्धियों के आधार पर जिलों एवं विकासखण्डों को श्रेणी बद्ध किये जाने की योजना है।

जिलों एवं विकासखण्डों में अपने अपने जिलों एवं विकासखण्डों को विकसित करने के लिये प्रतियोगिता की भावना होनी चाहिये इससे संपूर्ण प्रदेश का बेहतर विकास होगा। इस हेतु लोगों में जागरूकता लाये जाने की आवश्यकता है। प्रदेश में विकास के कार्य पहले भी हो रहे हैं केवल योजनाओं को सतत् विकास लक्ष्यों से जोड़कर काम करने की आवश्यकता है। इस दिशा में प्रशिक्षण सह कार्यशाला में सम्मिलित समस्त अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होने कहा कि समस्त अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में प्रशिक्षण आयोजित करके सतत् विकास लक्ष्य आधारित योजनाओं के निर्माण संबंधी विचारों को नीचे तक लेकर जायें और इस कार्य को पूरे मनोयोग से करें। ग्राम पंचायत स्तर पर प्रचलित योजनाओं के बेहतर प्रतिफल के लिये संबंधित विभागों में समन्वय की आवश्यकता है, जैसे की आप लोगों ने विचार व्यक्त किये हैं, इस दिशा में आयोग के स्तर पर पहल की जायेगी।

ANNEXURES

- Annexure-1_Participant Details
- Annexure-2_Planning PPT
- Annexure-3_NGGB PPT
- Annexure-4_Role and Challanges of Planning team PPT
- Annexure-5_17-Sustainable_Goals

कार्यसूची | AGENDA

Time	Duration	Topic/Theme	Methodology	Resource
Day 1- 21 August, 2019				
9:30 -10: 00 am	30 min.	Registration		
10:00 am - 11.15 am	75 min.	Inauguration & Introduction to SDG		**Chief Guest:** Shri Amarjeet Bhagat, H' Vice Chairman, State Planning Commission & H' Minister, Govt. of Chhattisgarh, Department of Planning, Economics and Statistics **Guest of Honour:** 1. Shri K. Subramanium , H' Member, State Planning Commission Chhattisgarh 2. Shri Pradip Sharma, Advisor to H' CM, Planning, Policy, Agriculture and Rural Development.
11:15 am - 12.00pm	45 min.	Ethics in SDG	Lecture	Mr. Vinay Sheel
12:00 pm- 1.30 pm	90 min.	Existing Planning Methods&Decentralized District Planning and DPC	Interactive and Group work& Projector and laptop, Film- VikendrikritYojana	Mr. Syed Parwez, Consultant UNICEF
Lunch				
2:30 pm - 3:45 pm	75 min.	SDG and Its indicators	Interactive, Flip chart/PPT, App, Formats	Dr. Manish Shrivastav
3:45 pm - 5.00 pm	75 min.	Indicators and Data Analysis, District Planning with SDG	PPT and Exercise for each calculation	Mr. Syed Parwez and Mr Neeraj Dewangan Consultant UNICEF
5.15 pm - 6.00 pm	45 min.	Monitoring and Evaluation	PPT, Group work	Mr. Shrish Kalyani, PRADAN
Day 2- 22 August, 2019				
10.00 am - 11.15 am	75 min.	Practice on NGGB & SDG		Dr. Manjeet Kaur Bal, Samerth Charitable Trust
11:15 pm-12.15 pm	60 min.	Resource Evaluation	PPT, Interactive discussion with practice paper	Dr. Manish Shrivastav
12.15 pm - 2.00 pm	105 min.	NGGB	PPT and Case Study	Shri Pradeep Sharma
Lunch				
2.45 pm - 3.30 pm	45 min.	Roles and challenges of the planning team	Interactive	Mr. Mukteshwar Singh
3.30 pm - 4.15 pm	45 min.	Recapping, Examination, Feedback and Valedictory	Assessment and Closing	Mr. Anand Raghuvanshi
4.15 pm - 5.00 pm	45 min.	Vote of Thanks		Shri K. Subramanium , H' Member, State Planning Commission Chhattisgarh

Annexure- 1

PARTICIPANT DETAILS

क्र.	नाम	पदनाम	जिला	वर्ग	लिंग	मोबाईल नं.	उप.दिनांक	कु.उप. दिवस
1	श्री कौश्लेन्द्र सिंह राठौर	पीसी	रायपुर	सामान्य	पुरूष	9669621714	21.08.19	02
2	श्री दिनेश सिंह	कार्यक्रम प्रबंधन	रायपुर	सामान्य	पुरूष	9826253240	21.08.19	02
3	श्री प्रकाश कुमार छाटा	संकाय सदस्य	रायपुर	अपिव	पुरूष	8319774385	21.08.19	02
4	श्री टामसन रात्रे	सहायक संचालक	रायपुर	अजा	पुरूष	7987392900	21.08.19	02
5	श्री संतोष कुमार तिवारी	जिला समन्वय	रायपुर	सामान्य	पुरूष	9826147145	21.08.19	02
6	श्री सोम्य रांजन	प्रोग्राम मैनेजर	रायपुर	अपिव	पुरूष	8249993233	21.08.19	02
7	श्री राजेश कुमार साहू	प्रोग्राम कोंडिनेटर	रायपुर	अपिव	पुरूष	9406095021	21.08.19	02
8	श्री खेमराज नायक	सहा. सांख्यिकी अधिकारी	रायपुर	अपिव	पुरूष	7869430029	21.08.19	02
9	श्री पी.एन. साहू	अधीक्षण अभियंता	रायपुर	अपिव	पुरूष	9329844495	21.08.19	02
10	श्री कुलेश्वर गायकवाड़	सहा.परि.अधिकारी	महासमुंद	अजा	पुरूष	8717999013	21.08.19	02
11	श्री मार्शल तिर्की	उपसंचालक	महासमुंद		पुरूष	9425526705	21.08.19	02
12	श्री विजेन्द्र पाल सिंह	सहायक संचालक	महासमुंद	अजजा	पुरूष	9455919608	21.08.19	02
13	श्री रामेश जयसवाल	सीएमओ	महासमुंद	अपिव	पुरूष	9753888900	21.08.19	02
14	श्री नरेश कुमार चन्द्राकर	संकाय सदस्य	महासमुंद	अपिव	पुरूष	9755052295	21.08.19	02
15	श्री एम.एल. नाग	संकाय सदस्य	धमतरी	अपिव	पुरूष	8085527360	21.08.19	02
16	श्री एन.एस.कुशरे	सहायक संचालक	धमतरी	अजजा	पुरूष	9752623934	21.08.19	02
17	श्री टी.आर.गंजीर	वरि.आंत.लेखा.परी.करा.अधि.	धमतरी	अपिव	पुरूष	9406466544	21.08.19	02
18	श्री डी.एस. वर्मा	उपसंचालक	दुर्ग	अपिव	पुरूष	9755986280	21.08.19	02
19	सुश्री प्रभा ध्रुव	संकाय सदस्य	दुर्ग	अजजा	महिला	9425563887	21.08.19	02
20	श्री जयन्त सिन्हा	सहायक संचालक	दुर्ग	अपिव	पुरूष	8435928787	21.08.19	02
21	श्री हरि परमार	संकाय सदस्य	दुर्ग	अजा	पुरूष	8889689405	21.08.19	02
22	श्री प्रवीण कुमार नायक	संकाय सदस्य	राजनांदगांव	अपिव	पुरूष	9752186743	21.08.19	02
23	श्रीमती कविता एन्थोनी	सहायक सचालक	राजनांदगांव	अजजा	महिला	9907421574	21.08.19	02
24	श्री महेन्द्र कुमार मेश्राम	सहायक सांख्यिकी अधिकारी	राजनांदगांव	अजा	पुरूष	9770191272	21.08.19	02
25	श्रीमती पूजा पिल्ले	सीएमओ	खैरागढ़	सामान्य	महिला	9981159559	21.08.19	02
26	श्री अजीत सिंह ठाकुर	ए.एस.ओ.	कबीरधाम	सामान्य	पुरूष	8313210502	21.08.19	02
27	श्री पलाश अग्रवाल	टेक्नीकल एक्सपर्ट	कबीरधाम	सामान्य	पुरूष	9039484071	21.08.19	02
28	श्री किशन लाल	ब्लाक समन्वयक	कबीरधाम	अपिव	पुरूष	6265465055	21.08.19	02
29	डॉ. लवकुश सिंगरौल	मुख्य नगर पालिका अधि.	कबीरधाम	अपिव	पुरूष	9111800644	21.08.19	02
30	श्री किशन गुप्ता	संकाय सदस्य	कवर्धा	सामान्य	पुरूष	9827462821	21.08.19	02
31	श्री डी. के. सहारे	उपसंचालक	बस्तर	अज	पुरूष	7000536963	21.08.19	02
32	श्री वनीष चन्द्र दुबे	मुख्यनगरपालिका अधिकारी	बस्तर	सामान्य	पुरूष	9424128787	21.08.19	02
33	श्री जी.एस. मनमोहन	इ.डी.ई.ओ.	बस्तर	सामान्य	पुरूष	9425261076	21.08.19	02

34	श्री मोहम्मद नसीम	संकाय सदस्य	दंतेवाड़ा	अपिव	पुरूष	8827147777	21.08.19	02
35	श्री चार्लेस लकड़ा	सहायक संचालक	दंतेवाड़ा	अजजा	पुरूष	9406080365	21.08.19	02
36	श्री पंकज कुमार सिन्हा	संकाय सदस्य	कांकेर	अपिव	पुरूष	8234069367	21.08.19	02
37	श्री विनीत शोरी	संकाय सदस्य	कांकेर	अजजा	पुरूष	825307940	21.08.19	02
38	श्रीमती सीमा पाठक	सहायक संचालक	कांकेर	अजजा	महिला	9981338524	21.08.19	02
39	श्री महेन्द्र श्याम कार्तिक	राजस्व निरीक्षक	कांकेर	अपिव	पुरूष	9424273555	21.08.19	02
40	श्री राजेन्द्र सिंह राठौर	वरि.आंत.लेखा.परी.करा.अधि.	कांकेर	सामान्य	पुरूष	8463857348	21.08.19	02
41	श्री आशीष कुमार जयसवाल	एडीईओ / अनुदेशक	बिलासपुर	अपिव	पुरूष	7000680695	21.08.19	02
42	श्री सुरेश कुमार कश्यप	उपसंचालक	बिलासपुर	अपिव	पुरूष	9826769460	21.08.19	02
43	श्री सती यादव	सहायक संचालक	बिलासपुर	अपिव	पुरूष	9406081717	21.08.19	02
44	श्री शैलेन्द्र तिवारी	मास्टर ट्रेनर	बिलासपुर	सामान्य	पुरूष	9993093125	22.08.19	01
45	श्री लोकेश	मास्टर ट्रेनर	बिलासपुर	सामान्य	पुरूष	9425546651	22.08.19	01
46	श्री महेत्तर कश्यप	मास्टर ट्रेनर	बिलासपुर	सामान्य	पुरूष	8120355835	22.08.19	01
47	श्री जवाहर मरकाम	मास्टर ट्रेनर	बिलासपुर	अजजा	पुरूष	7644637619	22.08.19	01
48	श्री प्रमोद शर्मा	मास्टर ट्रेनर	बिलासपुर	सामान्य	पुरूष	9981713388	22.08.19	01
49	श्री चमरा राम धीवर	मास्टर ट्रेनर	बिलासपुर	अपिव	पुरूष	9009262926	22.08.19	01
50	श्री रामकुमार धीवर	मास्टर ट्रेनर	बिलासपुर	अपिव	पुरूष	9755150402	22.08.19	01
51	श्री प्रशांत कुमार	फेसीलिटेटर	बिलासपुर	अपिव	पुरूष	9303304769	22.08.19	01
52	श्री पायल पाण्डेय	उपसंचालक	जांजचांपा	सामान्य	महिला	9907901797	21.08.19	01
53	श्री चन्द्रहास जायसवाल	संकाय सदस्य	जांजचांपा	अपिव	पुरूष	9977019181	21.08.19	02
54	श्री अजय कुमार सिंह	संकाय सदस्य	जांजचांपा	सामान्य	पुरूष	9755350791	21.08.19	02
55	श्रीमती गायत्री लहरे	सहा.साख्यिकी अधिकारी	कोरबा	अजा	महिला	9425226512	21.08.19	02
56	सुश्री इलियाना लकड़ा	संकाय सदस्य	कोरबा	अजा	महिला	9131125655	21.08.19	02
57	श्री मोहन सिह कंवर	उपसंचालक	कोरबा	अजजा	पुरूष	9406416443	21.08.19	02
58	रंजना अग्रवाल	मुख्यनगर पालिका अधिकारी	कोरबा	सामान्य	महिला	8319091019	21.08.19	02
59	श्री अनिल कुमार होता	अनुदेश / प्रशिक्षक	रायगढ़	सामान्य	पुरूष	9617050235	21.08.19	02
60	नीतू अग्रवाल	सीएमओ	रायगढ़	सामान्य	महिला	9977107570	21.08.19	02
61	श्री सिल्वेस्तर कुजूर	सहायक संचालक	रायगढ़	अजजा	पुरूष	9406265997	21.08.19	02
62	श्री अशीष तिवारी	संकाय सदस्य	जशपुर	सामान्य	पुरूष	9479237484	21.08.19	02
63	श्री शिखर श्रीवास्तव		जशपुर	सामन्य	पुरूष	9770008910	21.08.19	02
64	श्री संतोष श्रीवास्तव	उपसंचालक	जशपुर	सामान्य	पुरूष	8963942525	21.08.19	02
65	श्री बसतं कुवकर	मुख्य नगर पालिका अधि.	जशपुर	सामान्य	पुरूष	8319613272	21.08.19	02
66	श्री जे. मिजं	सहायक सांख्यिकी अधिकारी	सरगुजा	अजजा	पुरूष	9669338922	21.08.19	02
67	श्री बोलसाय भगत	सहा.आत.लेखा.परि.करा.अधि.	सरगुजा	अजजा	पुरूष	7770870902	21.08.19	02
68	श्री विपीन किशोर चौहान	सहा.आ.के.परी.करा.अधि.	सरगुजा	अजा	पुरूष	9617379010	21.08.19	02

69	श्री दीपक एक्का	मुख्य नगर पालिका अधि	सरगुजा	अजजा	पुरूष	9754239044	21.08.19	02
70	श्री गजानंद पाण्डेय	संकाय सदस्य	कोरिया	सामान्य	पुरूष	9644123863	21.08.19	02
71	श्री सुरेश कुमार सिंह	उपसंचालक	कोरिया	सामान्य	पुरूष	9754658788	21.08.19	02
72	श्री पवन कुमार मेरिया	मुख्य नगर पालिका अधि.	बीजापुर	अजजा	पुरूष	9340755336	21.08.19	02
73	श्री विक्रम सिंह परस्ते	संकाय सदस्य	बीजापुर	अजजा	पुरूष	9407608475	21.08.19	02
74	श्री एच.के. पैकरा	डी.पी.एस.ओ.	बीजापुर	अजजा	पुरूष	9406139707	21.08.19	02
75	श्री मंगत राम नूरेटी	संकाय सदस्य	नारायणपुर	अजजा	पुरूष	9479275410	21.08.19	02
76	श्री आईजक एक्का	जिला योजना एवं साख्यिकी अधिकारी	नारायणपुर	अजजा	पुरूष	8319119758	21.08.19	02
77	आई. एक्का	सहायक संचालक	नारायणपुर	अजा	महिला	8319119858	21.08.19	02
78	श्री एस.के. बंजारे	उपसंचालक	गरियाबंद	अजा	पुरूष	9826132162	21.08.19	02
79	श्री सी.एल. देवांगन	वरि.आंत.लेखा.परी.करा.अधि.	गरियाबंद	अपिव	पुरूष	9826171930	21.08.19	02
80	श्री धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर	एडीपीएम	गरियाबंद	सामान्य	पुरूष	7999952243	21.08.19	02
81	श्रीमती राजेश्वरी पटेल	सीएमओ	गरियाबंद	अपिव	महिला	9429229543	21.08.19	02
82	श्रीमती माया तिवारी	उपसंचालक	बलौदाबाजार	सामान्य	महिला	9098403747	21.08.19	02
83	श्री सुशील कुमार पाठक	संकाय सदस्य	बलौदाबाजार	सामान्य	पुरूष	9329440036	21.08.19	02
84	श्रीमती शीतल चन्द्रवंशी	मुख्य नगर पालिका अधि.	बलौदाबाजार	अपिव	महिला	9993386309	21.08.19	02
85	श्री ओमप्रकाश देशमुख	उपसंचालक	बालोद	अपिव	पुरूष	9907809808	21.08.19	02
86	श्री रोहित कुमार साहू	सीएमओ	बालोद	अपिव	पुरूष	9425553210	21.08.19	02
87	श्री विजय कुमार राजपूत	संकाय सदस्य	बालोद	अपिव	पुरूष	8827275243	21.08.19	02
88	श्री जफर खान	मुख्य नगर पालिका अधि.	बलौद	सामान्य	पुरूष	9691505152	21.08.19	02
89	श्री नरेन्द्र कुमार बंजारे	संकाय सदस्य	बेमेतरा	अजा	पुरूष	9806320207	21.08.19	02
90	श्री राजकुमार ओगरे	सांख्यिकी अधिकारी	बेमेतरा	अजा	पुरूष	7974399531	21.08.19	02
91	श्री देवांगन	मुख्य नगर पालिका अधि.	बेमेतरा	अपिव	पुरूष	8718963291	21.08.19	02
92	अनुराधा मेश्राम	संकाय सदस्य	कोण्डागांव	सामान्य	महिला	9407718605	21.08.19	02
93	श्री सूरज सिदार	सी.एम.ओ.	कोण्डागांव	अजजा	पुरूष	8435232875	21.08.19	02
94	श्री सिपरियानुस कुजूर	जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी	कोण्डागांव	अजजा	पुरूष	9406104680	21.08.19	02
95	श्री मिथलेश कुमार भास्कर	सहा.वि.वि. अधिकारी	सुकमा	अजजा	पुरूष	9406132842	21.08.19	02
96	श्री एन.के. नेताम	जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी	सुकमा	अजजा	पुरूष	8827953370	21.08.19	02
97	श्री जे.एल. पर्ते	ए.डी.	मुंगेली	अजजा	पुरूष	9827270034	21.08.19	02
98	श्री अश्वनी कुमार नायक	संकाय सदस्य	मुंगेली	अपिव	पुरूष	8839832992 8839832992	21.08.19	02
99	श्री राजेन्द्र कुमार पात्रे	मुख्य नगर पालिका अधि.	मुंगेली	अजा	पुरूष	8815038818	21.08.19	02

100	श्री जे.आर. मधुकर	उपसंचालक	मुंगेली	अजा	पुरूष	9425209065	21.08.19	02
101	श्री आर.बी. चौरसिया	जिला योजना	बलरामपुर	अज	पुरूष	9407726782	21.08.19	02
102	डॉ.जय प्रकाश गुप्ता	संकाय सदस्य	बलरामपुर	सामान्य	पुरूष	9074878196	21.08.19	02
103	श्री वशिष्ठ कुमार ओभ्या	मुख्य नगर पालिका अधि.	बलरामपुर	सामान्य	पुरूष	9826507264	21.08.19	02
104	श्री लवकुमार त्रिपाठी	जि.यो.आ. अधिकारी	सूरजपुर	सामान्य	पुरूष	9516778768	21.08.19	02
105	श्रीमती माधुरी भण्डारी	संकाय सदस्य	सूरजपुर	सामान्य	महिला	9977603393	21.08.19	02
106	श्री घनश्याम शम्र	मुख्य नगर पालिका अधि.	सूरजपुर	सामान्य	पुरूष	7089601050	21.08.19	02
107	श्री ध्रमेन्द्र कुमार	क्सटर कोरिर्डिनेटर	चारामा	अपिव	पुरूष	9981713388	22.08.19	01
108	श्री यचन	एस.एम.	चारामा	अपिव	पुरूष	8463840444	22.08.19	01
109	श्री आई.एल. पटेल	मुख्य नगर पालिका अधि.	किरन्दुल	सामान्य	पुरूष	9425267596	21.08.19	02
110	श्री रोकेश कुमार वर्मा	सीएमओ	नारायणपुर	अपिव	पुरूष	9009807374	21.08.19	02

धन्यवाद!